



STATIC GK

Folk Dances AND Classical Dance

Lecture No.- 01

By- RIYA RATHORE MA'AM



Topics to be Covered



Topic

Folk Dances AND Classical Dance



Join My 

Telegram Group

Current Affairs by Riya Ma'am
- UP Exams Wallah

- IMPORTANT NOTIFICATIONS
- CLASS NOTES OF YT SESSIONS
- WEEKLY LIVE DOUBT SESSION
- IMPORTANT PYQS
- POLLS & QUIZ





CLASSICAL DANCES OF INDIA



INTRODUCTION

CLASSICAL DANCES OF INDIA

Classical dance/ शास्त्रीय नृत्य



- नृत्य कला का एक रूप है, जहाँ शरीर का उपयोग संचार के माध्यम के रूप में
किया जाता है/ **Dance is a form of art, where the body is used as a
medium of communication**

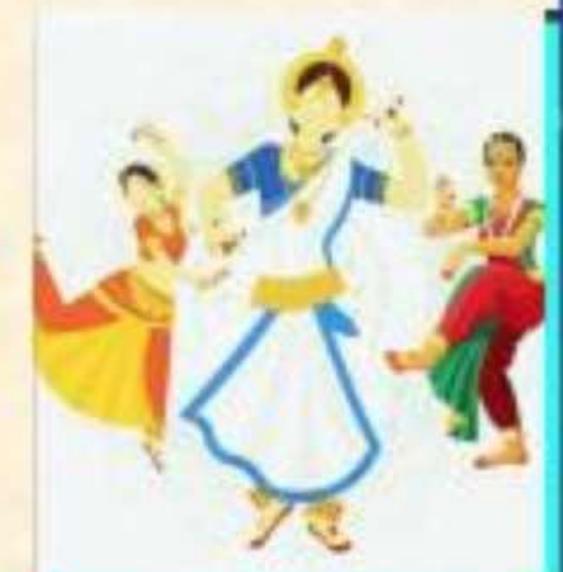
- भारत की नृत्य विरासत कम से कम 5000 साल पुरानी है/ **The dance
heritage of India is at least 5000 years old.**

Classical dance/ शास्त्रीय नृत्य



- एक शास्त्रीय नृत्य रूप अपनी शालीनता[✓] और शिष्टता[✓] के लिए जाना जाता है /
A classical dance form known for its grace and elegance.
- भगवान्, देवी और धार्मिक ग्रंथों के चरित्रों का वर्णन करने वाला नृत्य[✓] शास्त्रीय नृत्य कहलाता है/ **The dance describing the characters of God , Goddess and religious scriptures is called classical dance.**

- 'नाट्यशास्त्र' (लेखक- भरतमुनि)/ 'Natyashastra' (author- Bharatmuni)
- नाट्यशास्त्र को 5वें वेद के रूप में भी जाना जाता है/ Natyashastra is also known as the 5th Veda
- 'अभिनय दर्पण' (लेखक- आचार्य नंदिकेश्वर) / 'Abhinay Darpan' (author- Acharya Nandikeshwar)



Note ദിനം 7/25 ഫുവ്വ്
 ↳ Classical Dance ↳ 8

Ministry of Culture = 9 ✓

Classical Dance
 ക്ലാസിക്കൽ ഡൻസ്

↳ Total Classical Dance = 8

State = 7 ✓
 കേരളം
 മാണിക്യൻ
 പ്രധാനി

മാര്ത്ത് അ ഭഗവ്തി പ്രധാനി

Classical Dance

↳ മഹാരാഷ്ട്ര (Tamil Nadu)

മഹാരാഷ്ട്ര
 ↓
 Dance

അമൃതി നായൻ Classical Dance

↳ അസിസ്സ (Assam)
 ↳ 94% 2000 മ

குடும்பங் - Tamil Nadu

தெய்வ - UP

தெய்வி -
மீனநிலக்குந -> Kerala

ଶ୍ରୀଦେବୀ - odisha

ଶ୍ରୀମତୀ - Assam

ଶ୍ରୀଦ୍ୟମୁଖୀ - Madhya Pradesh

ଶ୍ରୀଦ୍ୟମୁଖୀ - Manipur

Chhau / சூரி

↪ WB

↪ Jharkhand

↪ Odisha

9 रस या भावनाएँ जो शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से व्यक्त की जाती हैं।

9 Rasas or Emotions that are Expressed through Classical Dance

1. श्रृंगार / Shringar – **love**
2. हास्य/ Hasya – **Humor**
3. करुणा/ Karuna – **compassion**
4. रौद्र/ Raudra – **Anger**
5. भयंकर/ Bhayankar – **horror**
6. वीर/ Veer - **heroic**
7. अद्भुत/ Adbhut - **Wonder**
8. वीभत्स/ Vibhatsa – **disgust**
9. शांत/ Shaant - **calm**



- तांडव/Tandava – यह गति और लय को कम करता है। यह नृत्य के पुरुष पहलुओं का प्रतीक है/ It demotes movement & rhythm. It is symbolic to the [male aspects] of dance

- लास्य / Lasya - यह अनुग्रह, भाव, रस और अभिनय को दर्शाता है। [यह नृत्य के स्त्री पहलू] का प्रतीक है/ It denotes grace, bhava, rasa and Abhinaya. It is symbolic to the feminine aspect of dance



भारतीय शास्त्रीय नृत्य के तीन मुख्य घटक /
Three main components of Indian Classical Dances

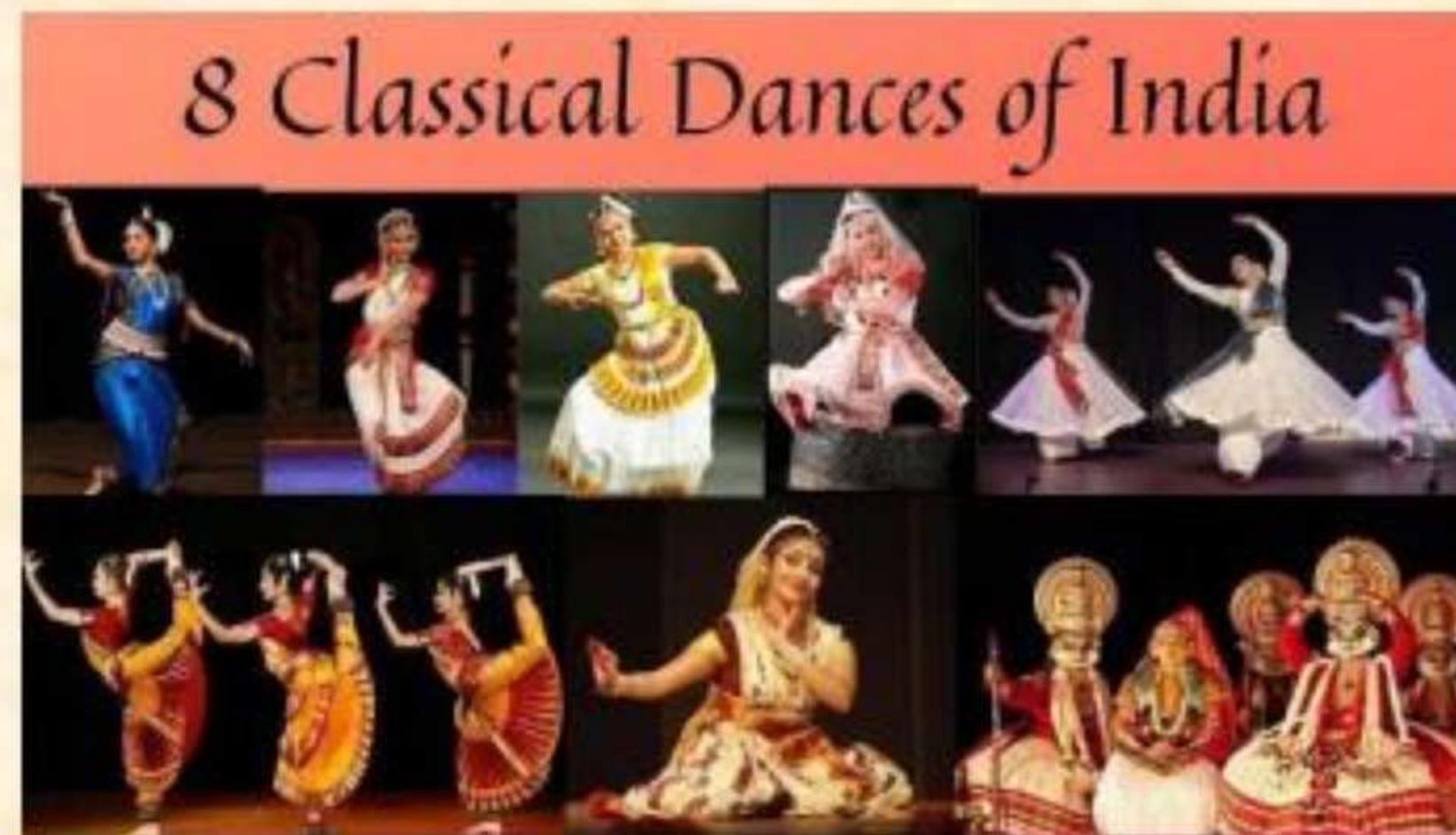
- नाट्य/ **Natya** - यह नृत्य का नाटकीय घटक है। कहानी को नृत्य गायन के माध्यम से विस्तृत किया जाता है / It is dramatic component of the dance. The story is elaborated through the dance recital
- नृत्त/ **Nritta** - यह मूल नृत्य चरण है/ It is basic dance step
- नृत्य/ **Nritya** - यह नृत्य का एक भावपूर्ण घटक है, अर्थात् मुद्राएँ या हाव-भाव / It is an expressional component of dances i.e. mudras or gestures

- 'Guru-shishya parampara' forms the core of Indian classical art form
- 8 classical dances in India

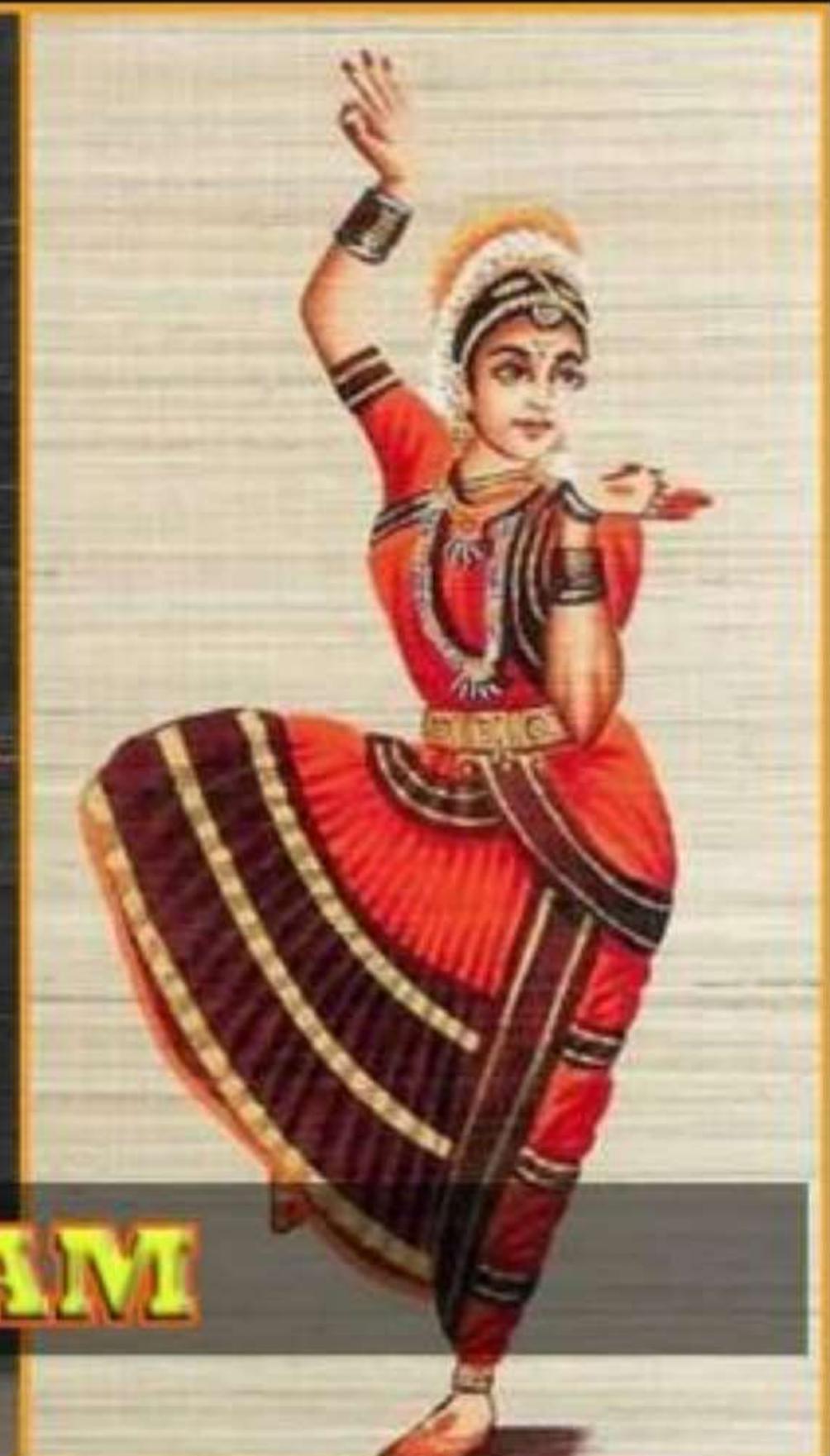
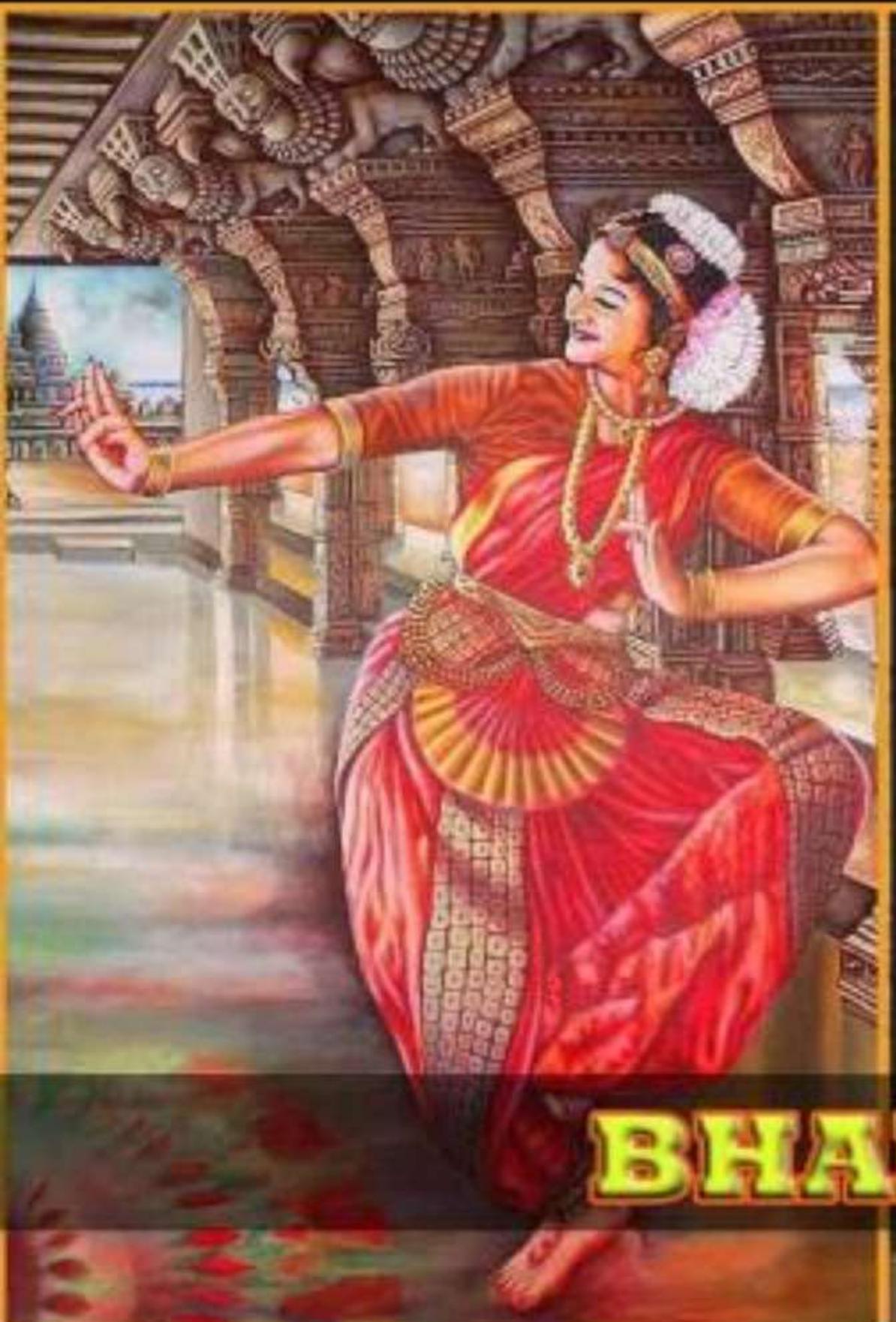
Tamil Nadu ↪ ► Bharatnatyam	► Kathakali - Kerala
Kerala ↪ ► Mohiniyattam	► Kuchipudi - Andhra Pradesh
Odisha ↪ ► Odissi	► Manipuri - Manipur
Assam ↪ ► Sattriya	► Kathak - UP

भारतीय शास्त्रीय नृत्य / Classical Dance

- नोट/**Note** - संगीत नाटक अकादमी ने आठ शास्त्रीय नृत्य रूपों को मान्यता दी है जबकि संस्कृति मंत्रालय ने छऊ सहित नौ शास्त्रीय नृत्य रूपों को मान्यता दी है/ **Sangeet Natak Akademi has recognized eight classical dance forms whereas the Ministry of Culture has recognized nine classical dance forms including Chhau**



→ चौथा नृत्य → चौथा नृत्य
 ↳ Jharkhand
 ↳ WB-पुरालीया
 ↳ Odisha
 ↳ मध्यमंडण



BHARATNATYAM

- इस नृत्य में, नृत्य के तांडव और लस्य दोनों पहलुओं पर बराबर जोर दिया जाता है, जिसमें 'मुद्रा' पर प्रमुख जोर दिया जाता है/ In this dance form, equal emphasis is given on both the Tandava and Lasya aspects of dance, with major emphasis on 'mudras'.



- शुरुआती दिनों में देवदासियाँ भगवान की मूर्ति के सामने नृत्य और संगीत प्रस्तुत करती थीं, इसलिए इसे सादिर या दासी अड्डम के नाम से भी जाना जाता था / In the early days, Devadasis performed dance and music in front of idol of the Lord, hence it was also known as Sadir or [Dasi Attam]

- भरतनाट्यम नृत्य को एकहार्य के रूप में जाना जाता है, जहाँ एक नर्तक एक ही प्रदर्शन में कई भूमिकाएँ निभाता है / Bharatnatyam dance is known to be [ekaharya], where one dancer takes on many roles in a single performance

विशेषताएँ/ FEATURES

भरतनाट्यम के प्रदर्शनों की सूची में शामिल हैं /

The repertoire of Bharatnatyam include

- ▶ अलारिप्पु / Alarippu ✓
- ▶ जतिस्वरम/ Jatiswaram
- ▶ शब्दम/ Shabdam
- ▶ तिल्लना आदि/ Tillana etc. ✓



विशेषताएँ/ FEATURES

- भरतनाट्यम की शुरुआत अलारिप्पु से होती है जिसका अर्थ है 'फूलों से सजाना'/
Bharatnatyam starts with Alarippu which means 'to adorn with flowers'
- यह तिल्लना से समाप्त होता है जिसमें महिलाओं की सुंदरता के साथ नृत्य के हाव-भाव दिखाए जाते हैं/ It ends with Tillana in which dance gestures are shown with the beauty of women

विशेषताएँ/ FEATURES

- भरतनाट्यम का संगीत दक्षिण भारत की कर्नाटिक संगीत प्रणाली से संबंधित है/ The music of Bharatnatyam belongs to the Carnatic system of Southern India

- साथ चलने वाले ऑर्केस्ट्रा में एक गायक, एक मृदंगम वादक, वायलिन वादक या वीणा वादक, एक बांसुरी वादक और एक झांझ वादक शामिल होते हैं/ The accompanying orchestra consists of a vocalist, a mridangam player, violinist or veena player, a flutist and a cymbal player

भरतनाट्यम / Bharatnatyam (Tamil Nadu)

- रुकिमणी देवी ने नृत्य को वैश्विक पहचान दी ✓
- Rukmini Devi Arundale gave the dance global recognition



- अध्ययन का मुख्य स्रोत/ Sources Of Study Bharatnatyam –
नंदिकेश्वरा द्वारा रचित अभिनय दर्पण Abhinaya Darpana By Nandikesvara
- भरतनाट्यम को 'अग्नि नृत्य' भी कहा जाता है/Bharatnatyam is also known as 'fire dance'
- प्रसिद्ध व्यक्तित्व / Famous proponents: –
 - यामिनी कृष्णमूर्ति, लक्ष्मी विश्वनाथन, पद्म सुब्रमण्यम, मृणालिनी साराभाई (भरतनाट्यम+कुचीपुड़ी),
मल्लिका साराभाई / Yaminee Krishnamurthy, Lakshmi Viswanathan, Padma Subramaniam, Mrinalini Sarabhai (Bharatanatyam + Kuchipudi), Mallika Sarabhai, etc.

| Kathak } - UP



कथक/Kathak (North India)



- कथक की उत्पत्ति ब्रजभूमि की रास लीला से हुई/ Kathak originated from the Raas Leela of Brajbhoomi.
- नाम – कथा (कहानी) और कथाकार (जो कहानियाँ बताता है) से लिया गया है/ The name – derived from katha (story) and kathakar (one who tells stories).
- 20 वीं शताब्दी में एक महिला लीला सोखी द्वारा पुनर्जीवित किया गया/ Revived in the 20th century by a woman, [Leela Sokhi.]

- रायगढ़: राजा चक्रधर सिंह / Raigarh: Raja Chakradhar Singh
- बनारस: यह जानकी प्रसाद जी द्वारा विकसित हुआ/ Banaras: It was developed by Janki Prasad ji
- लखनऊ: नवाब वाजिद अली खान / Lucknow: Nawab Wajid Ali Khan
- जयपुर: भानुजी द्वारा शुरू की गई / Jaipur: Started by Bhanuji

Famous proponents/ मुख्य नर्तक

- बिरजू महाराज/Birju Maharaj
- लच्छु महाराज/ Lacchu Maharaj
- सितारा देवी / Sitara Devi ✓
- शोवना नारायण/ Shovana Narayan ✓



Kuchipudi - Andhra Pradesh



- आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के कुशलावपुरी या कुलपुरम गांव से इसका नाम कुचीपुड़ी पड़ा / Kuchipudi derives its name from Kushalavpuri or Kulapuram village in Krishna district of Andhra Pradesh.
- बालसरस्वती और रागिनी देवी ने इस नृत्य कला को पुनर्जीवित किया/ Balasaraswati and Ragini Devi revived this dance form.

- केंद्रीय विषय/Central theme - भागवत पुराण की कहानियाँ/Stories of Bhagavat Purana
- इसमें पैरों की कठिन हरकतें शामिल हैं/ It involves difficult foot movements
- वर्तमान में, कुचिपुड़ी को एकल, युगल या समूह प्रस्तुति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन ऐतिहासिक रूप से इसे नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया जाता था, जिसमें कई नर्तक अलग-अलग भूमिकाएँ निभाते थे/ Presently, Kuchipudi is performed either as a solo, duet or a group presentation, but historically it was performed as a dance drama, with several dancers taking different roles

कुचीपुड़ी / KUCHIPUDI (ANDHRA PRADESH)

M.D.P

कुचिपुड़ी में कुछ लोकप्रिय एकल तत्व हैं/

There are some popular solo elements in Kuchipudi –

- ❖ मंडुक शब्दम/Manduk Shabdam - एक मेंढक की कहानी बताता है/ Tells the story of a frog
- ❖ तरंगम / Tarangam - नर्तक पीतल की थाली के किनारों पर अपने पैरों के साथ प्रदर्शन करता है और सिर पर पानी का एक बर्तन या दीयों का एक सेट संतुलित करता है/ The dancer performs with his/her feet on the edges of a brass plate and balancing a pot of water on the head or a set of diyas
- ❖ जल चित्र नृत्यम/ Jala Chitra Nrityam-नर्तक नृत्य करते समय अपने पैरों की ऊंगलियों से फर्श पर चित्र बनाता है/ The dancer draws pictures on the floor with his or her toes while dancing



कुचीपुड़ी / KUCHIPUDI (ANDHRA PRADESH)

- ❖ तरंगम / Tarangam - नर्तक पीतल की थाली के किनारों पर अपने पैरों के साथ प्रदर्शन करता है और सिर पर पानी का एक बर्तन या दीयों का एक सेट संतुलित करता है/ The dancer performs with his/her feet on the edges of a brass plate and balancing a pot of water on the head or a set of diyas



कुचीपुड़ी / KUCHIPUDI (ANDHRA PRADESH)

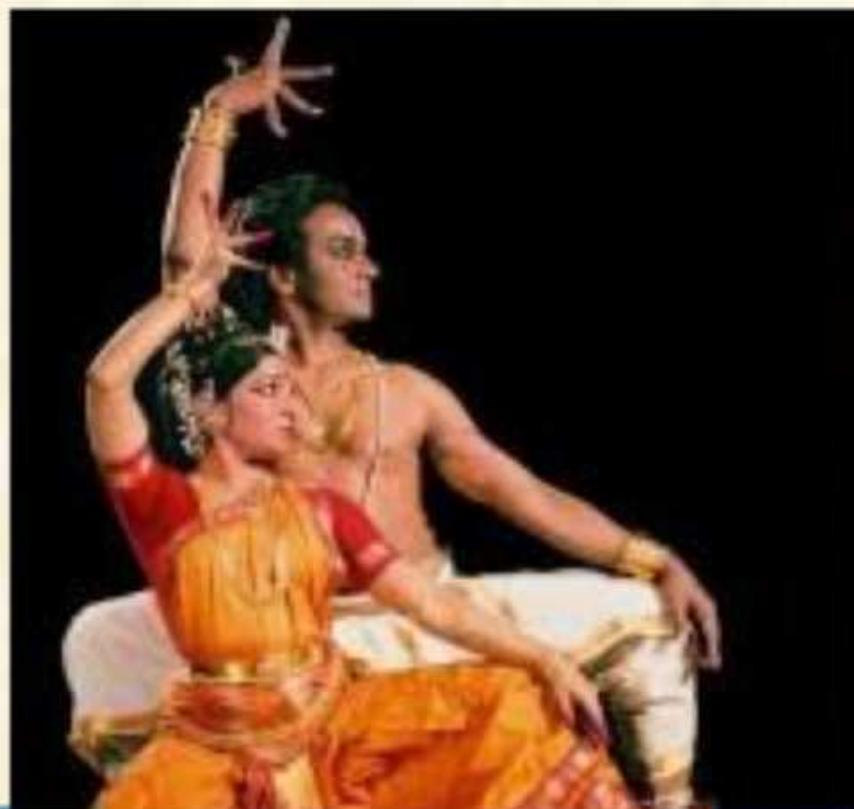
P
W

- ❖ जल चित्र नृत्यम/ Jala Chitra Nrityam- नर्तक नृत्य करते समय अपने पैरों की ऊंगलियों से फर्श पर चित्र बनाता है/ The dancer draws pictures on the floor with his or her toes while dancing



प्रसिद्ध प्रस्तावक/ Famous Proponents:

- राधा रेड्डी और राजा रेड्डी, यामिनी कृष्णमूर्ति, इंद्राणी रहमान आदि / Radha Reddy and Raja Reddy, Yamini Krishnamurthy, Indrani Rahman etc.



Kathakali – Kerala

P
W



- वी एन मेनन को कथकली पारंपरिक नृत्य रूप को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है /
V N Menon is credited with reviving the Kathakali traditional dance form
 - कथकली पर [चाकियारकूत्तु, कूडियाट्टम, कृष्णट्टम और रामनाट्टम] का प्रभाव है/
Kathakali is influenced by [Chakiarkoothu], Koodiyattam, Krishnattam
and Ramanattam
 - नर्तक रामायण, महाभारत और पुराणों के पात्रों का अभिनय करते हैं/ Dancers perform
the characters of Ramayana, Mahabharata and Puranas

- कथकली नृत्य, संगीत और अभिनय का मिश्रण है और कहानियों को नाटकीय रूप देता है/ Kathakali is a mixture of dance, music and acting and dramatizes stories
- ✓ चेहरे के हाव-भाव, आँख और भौंहों की हरकतें; गाल, नाक और ठोड़ी की अभिव्यक्ति पर विशेष जोर/ Facial gestures, eye and eyebrow movements; Special emphasis on the expression of cheeks, nose, and chin



✓

- नर्तक के चेहरे पर होरे, लाल, पीले, काले और सफेद रंगों का प्रयोग किया गया है/ Green, red, yellow, black and white colours are used on the face of the dancer
- इस नृत्य में दो प्रकार के पात्र होते हैं - नायक (पचा) और खलनायक (काठी) / There are two types of characters in this dance - hero (pacha) and villain (kathi)



Make up –

- Yellow Color - For Women
 - Green Color - Richness And Decency
 - Red Color – Dominance
 - Black Color - For Evil
-
- पीला रंग - महिलाओं के लिए
 - हरा रंग - समृद्धि और शालीनता
 - लाल रंग – प्रभुत्व
 - काला रंग - बुराई के लिए



- कथकली गीतों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा मणिप्रवलम है, यानी मलयालम और संस्कृत का मिश्रण / The language used for Kathakali songs is Manipravalam, i.e., a mixture of Malayalam and Sanskrit.

- प्रसिद्ध प्रस्तावकः गुरु कंच कर्प, गोपी नाथ, कोट्टाकल शिवरामन, रीता गांगुलि,
कलामंडलमरमन कुट्टी नायर, सदानम कृष्णनकुट्टी आदि / Famous Proponents:
Guru Kancha Karp, Gopi Nath, Kottakkal Sivaraman, Rita Ganguly,
Kalamandalam Raman Kutty Nair, Sadanam Krishnankutty etc.

Mohiniyattam - Kerala



मोहिनीअट्टम नृत्य/ Mohiniyattam Dance (Kerala)

- मलयाली कवि वी एन मेनन ✓ ने कल्याणी ✓ अम्मा के साथ इसे पुनर्जीवित किया।
Malayalam poet VN Menon revived it with Kalyani Amma.



मोहिनीअट्टम नृत्य/ Mohiniyattam Dance (Kerala)



- मोहिनी हिंदू पौराणिक कथाओं की दिव्य जादूगरनी है / Mohini is the celestial enchantress of the Hindu mythology
- ऐसा माना जाता है कि यह नृत्य शैली भगवान विष्णु की कहानी से विकसित हुई है जिन्होंने भस्मासुर का वध करने के लिए मोहिनी का वेश धारण किया था/ It is believed that this dance form developed from the story of Vishnu who took the guise of Mohini to kill Bhasmasura

मोहिनीअद्वम नृत्य/ Mohiniyattam Dance (Kerala)



मोहिनीअद्वम के संदर्भ निम्नलिखित ग्रंथों में पाए जा सकते हैं/

References of Mohiniyattam can be found in the following texts

- 'व्यवहारमाला (लेखक-मझमगलम नारायणन नम्पुतिरी) / 'Vyavaharamala (Author-Mazhamagalam Narayanan Namputiri)
- घोषयात्रा (लेखक-कुंजन नंबियार)/ Ghoshayatra (Author- Kunjan Nambiar)

मोहिनीअट्टम नृत्य/ Mohiniyattam Dance (Kerala)



- केरल का शास्त्रीय एकल नृत्य/ Classical solo dance form of Kerala
- यह सामान्यतः भगवान् विष्णु के स्त्री नृत्य की कहानी बताता है/ It generally narrates the story of the feminine dance of Vishnu
- यह लास्य शैली से संबंधित है जो स्थियोचित, कोमल और सुंदर है/ It belongs to the lasya style which is feminine, tender and graceful

मोहिनीअद्वम नृत्य/ Mohiniyattam Dance (Kerala)

वाद्य यंत्र/Instruments

- बांसुरी/ Flute
- वीणा/ Veena
- मंजीरा/ Manjira
- मृदंगम/ Mridangam ✓



मोहिनीअद्वम नृत्य/ Mohiniyattam Dance (Kerala)



मुक्ताम् १५

Famous proponents –

- वैजयंती माला, हेमा मालिनी, सुनंदा नायर, गोपिका वर्मा, पल्लवी कृष्णन ,
कलामंडलम् क्षेमवती, माधुरी अम्मा, जयप्रभा मेनन / Vyjayanthi Mala,
Hema Malini, Sunanda Nair, Gopika Varma, Pallavi Krishnan,
Kalamandalam Kshemavathi, Madhuri Amma, Jayaprabha Menon

Odissi - Odisha



स्रोत/ Sources –

- उदयगिरि और खण्डगिरि की गुफाएँ/ Caves of Udayagiri and Khandagiri
- इसका नाम नाट्य शास्त्र में वर्णित 'ओड्रा नृत्य' से लिया गया है/ It derives its name from the 'Odra nritya' mentioned in Natya Shastra
- इसे मंदिर सेवा के भाग के रूप में 'महारी' या महिला मंदिर सेवकों द्वारा किया जाता था/ It was performed as part of temple service by 'maharis' or female temple servants

- 20वीं सदी के मध्य में, [चार्ल्स फैब्री] और [इंद्राणी रहमान] के प्रयासों के कारण ओडिसी को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली/ In the mid-20th century, Odissi gained international acclaim due to the efforts of Charles Fabri and Indrani Rahman performance

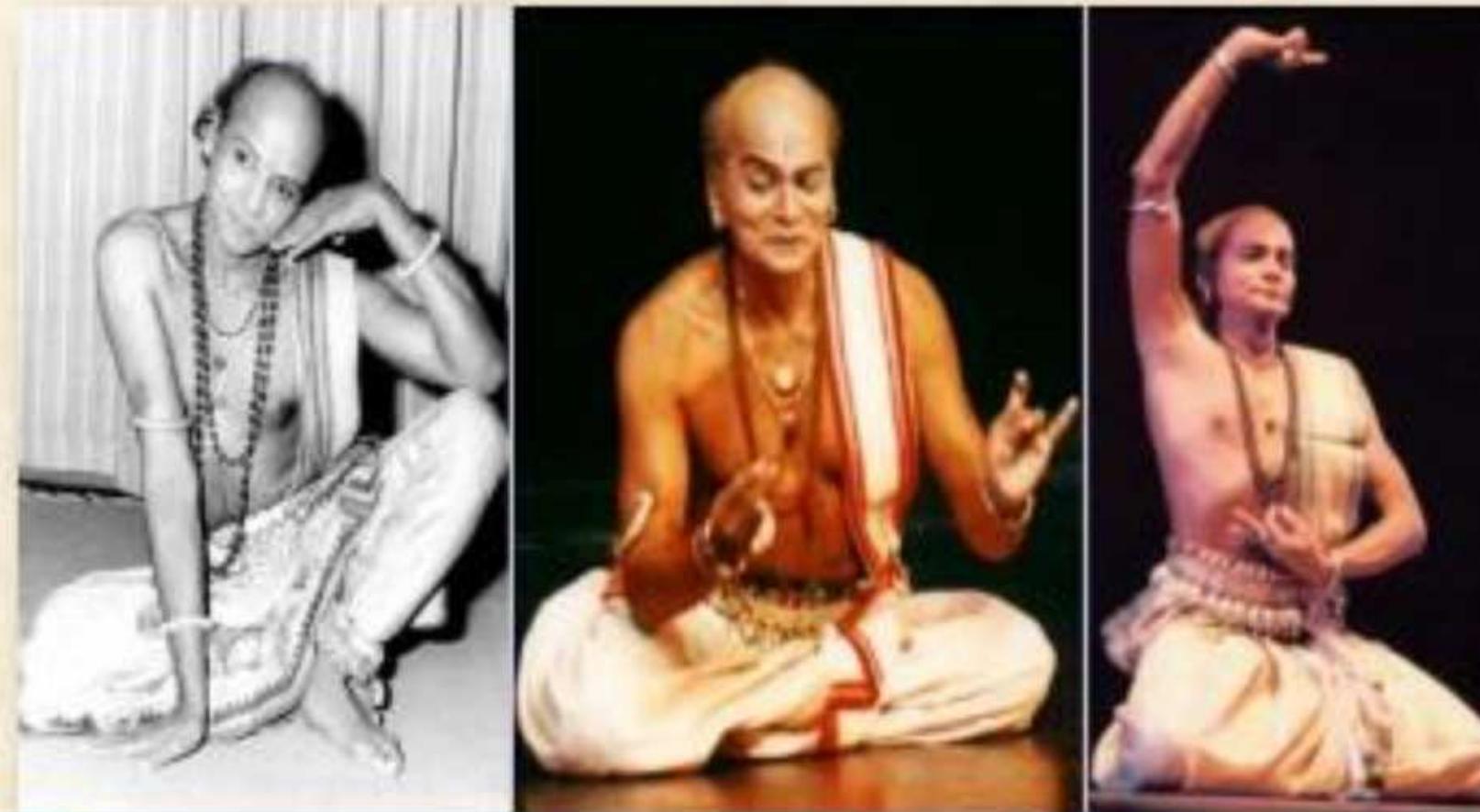
Instruments

- Sitar
- Flute
- Manjira (Cymbala)
- Pakhawaj (Drums) etc



प्रसिद्ध प्रस्तावक Famous Proponents

- मिनाती मिश्रा, गुरु पंकज चरण दास, गुरु केलू चरण महापात्र, सोनल मानसिंह /
**Minati Mishra, Guru Pankaj Charan Das, Guru Kelu Charan
Mohapatra, Sonal Mansingh**



Sattriya – Assam



SATTRIYA DANCE (ASSAM)



- इसे 15वीं शताब्दी में असम के महान वैष्णव संत और सुधारक महापुरुष शंकरदेव ने शुरू किया था/ It was introduced in the 15th century A.D. by the great Vaishnava saint and reformer of Assam, Mahapurusha Shankaradev
- यह असम में प्रचलित विभिन्न नृत्य शैलियों का मिश्रण है, मुख्यतः ओजापाली और देवदासी/ It is an amalgamation of various dance forms prevalent in Assam, mainly Ojapali and Devdasi
- यह नृत्य आम तौर पर पुरुष भिक्षुओं द्वारा समूह में किया जाता है जिन्हें 'भोकोट' कहा जाता है/ The dance is generally performed in group by male monks known as 'Bhokots'

Manipuri – Manipur

P
W



MANIPURI DANCE (MANIPUR)



- पौराणिक उत्पत्ति- मणिपुर की घाटियों में स्थानीय 'गंधर्वों' के साथ शिव और पार्वती का दिव्य नृत्य/ Mythological origin- celestial dance of Shiva and Parvati in the valleys of Manipur along with the local 'Gandharvas'
- यह आमतौर पर महिलाओं द्वारा किया जाता है/ It is performed generally by females
- कलाकार कभी भी दर्शकों से नज़रें नहीं मिलाता/ The artist never establishes eye contact with the audience

MANIPURI DANCE (MANIPUR)

प्रसिद्ध प्रस्तावक/ Famous Proponents:

- झावेरी बहनें - नयना, सुवर्णा, रंजना और दर्शना गुरु बिपिन सिंह
- Zaveri Sisters - Nayana, Suvarna, Ranjana and Darshana Guru Bipin Singh





2 mins Summary



Topic

One

Classical Dance

Topic

Two

Topic

Three

Topic

Four

Topic

Five



THANK - YOU